कक्षा – आठवीं
विषय – हिन्दी रीडर

Page No.___ Date __/__/20__

पाठ 16 - पानी की कहानी

पाठ से —

1. लेखक को बेर की झाड़ी पर ओस की बूँद मिली।
2. पेड़ों की जड़ों में निकले रोएँ द्वारा जल की बूँदों को बलपूर्वक धरती के भूगर्भ से खींच लाना व उनको खा जाना याद करते ही बूँद क्रोध व घृणा से काँप उठी।
3. जब ब्रह्माण्ड में पृथ्वी व उसके साथी ग्रहों का उद्भव भी नहीं हुआ था तब ब्रह्माण्ड में हाइड्रोजन व ऑक्सीजन दो गैसें सूर्यमंडल में लपटों के रूप में विद्यमान थीं। हाइड्रोजन व ऑक्सीजन के बीच रासायनिक क्रिया हुई। दोनों के संयोग से पानी का जन्म हुआ इसलिए बूँद ने इन दोनों को अपना पूर्वज कहा है।
4. पानी का जन्म हाइड्रोजन व ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया द्वारा होता है। जब ब्रह्माण्ड में पृथ्वी व उसके साथी ग्रहों का भी उद्भव नहीं हुआ था तब ब्रह्माण्ड में हाइड्रोजन व ऑक्सीजन दो गैसें सूर्यमंडल में लपटों के रूप में विद्यमान थीं। किसी उल्कापिंड के सूर्य के टकराने से सूर्य के टुकड़े कई हो गए, उन्हीं टुकड़ों में से एक टुकड़ा पृथ्वी के रूप में उत्पन्न हुआ। और इसी ग्रह में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच रसायनिक क्रिया हुई। और दोनों के संयोग से पानी का जन्म हुआ।

   सर्वप्रथम, बूँद भाप के रूप में पृथ्वी के वातावरण में इर्द-गिर्द घूमती रहती है, तत्पश्चात् बर्फ के रूप में विद्यमान हो जाती है। समुद्र में बहती हुई वह गर्म-धारा से मिलकर ठोस रूप को त्यागकर जल का रूप धारण कर लेती है।
5. कहानी के अंत और आरंभ के हिस्से को पढ़कर यह पता लगता है कि ओस की बूँद सूर्य उदय होने की प्रतीक्षा कर रही थी।

पाठ से आगे—

3. समुद्र के तट पर बसे नगरों में अधिक ठंड और अधिक गर्मी इसलिए नहीं पड़ती क्योंकि वहाँ के वातावरण में सदा नमी रहती है।
4. पेड़ के भीतर फव्वारा नहीं होता, तब पेड़ की जड़ों से पत्ते तक पानी पहुँचता है। क्योंकि पेड़ की जड़ों व तनों में जाइलम और फ्लोएम नामक वाहिकाएँ होती हैं, जो पानी जड़ों से पत्तियों तक पहुँचाती हैं। इस क्रिया को वनस्पति शास्त्र में संवहन (ट्रांसपाईरेशन) कहते हैं।

Scanned with CamScanner